औषधीय एवं सगंधीय पौधों पर उद्यमिता उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन
02.09.2020, आईसीएआर-डीएमएपीआर, आणंद

भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय अपने मेडी-हब एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन (एबीआई) केंद्र के साथ ऑनलाइन के माध्यम से 17 अगस्त से 2 सितंबर, 2020 तक औषधीय एवं सगंधीय पौधों (ईओपीएमएपी) पर उद्यमिता उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। 15-दिवसीय ईओपीएमएपी के समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. सत्यजीत रॉय, निदेशक, भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय (आईसीएआर-डीएमएपीआर), आणंद ने की।

डॉ. रॉय ने कोविड-19 महामारी के तहत औषधीय एवं सगंधीय पौधों (एमएपी) के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि औषधीय एवं सगंधीय पौधों में व्यापार के विकास के कई अवसर हैं। उन्होंने व्यावसायिक विकास के लिए औषधीय एवं सगंधीय पौधों में गुणवत्ता रोपण सामग्री, जैविक प्रमाणीकरण, गुणवत्ता प्रमाणपत्र जैसे जीएपी, जीएमपी और जीसीपी के महत्व पर प्रकाश डाला।

इससे पहले, डॉ. नागराजा रेड्डी, वैज्ञानिक और प्रधान अन्वेषक, एबीआई ने ईओपीएमएपी की एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने कहा कि, औषधीय एवं सगंधीय क्षेत्र एक उदयभान क्षेत्र है जिसमें व्यावसायिक विकास के कई अनछुए अवसर हैं।

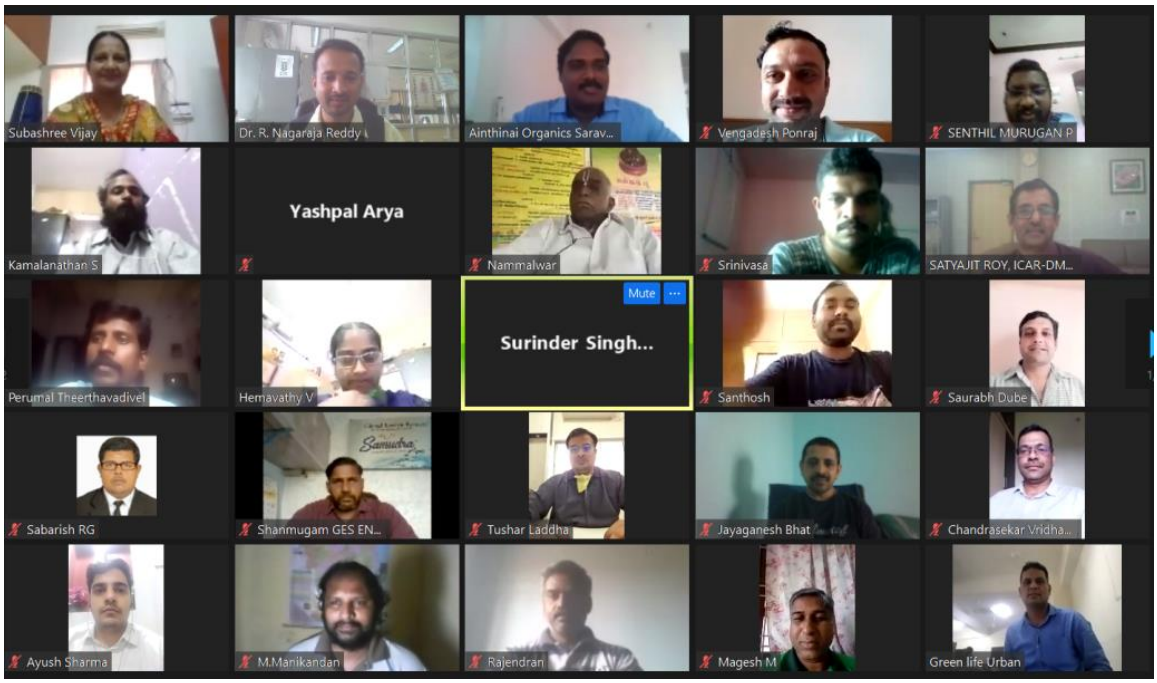

ईओपीएमएपी का मुख्य उद्देश्य औषधीय एवं सगंधीय पौधों के क्षेत्र में स्टार्ट-अप/ व्यावसायिक विकास में तेजी लाना था। औषधीय एवं सगंधीय पौधों में नए विचारों वाले 40 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। ईओपीएमएपी में शामिल औषधीय एवं सगंधीय पौधों के विभिन्न पहलुओं जैसे खेती, पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट, मूल्य संवर्धन, मशीनरी और बिजनेस प्लान के विकास पर हर दिन दो व्याख्यान हुए। आईसीएआर (डीएमएपीआर - आणंद, एनडीआरआई- करनाल, आईआईएचआर, बेंगलुरु और आईआईएमआर, हैदराबाद) और सीएसआईआर (सीमैप, लखनऊ और एनईआईएसटी,

जोरहाट) संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एएयू, आणंद, यूएएस, बेंगलुरु, एसडीयूएटी, दंतेवाड़ा) और अन्य (एडीआईआईसीटी, गांधीनगर, गुजरात, जे. एस. आयुर्वेद कॉलेज, नडियाद, गुजरात, कृषि-अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात, शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा और भारतीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान, तंजावुर के साथ निजी उद्योग (फरमान्जा हर्बल प्राइवेट लिमिटेड, आणंद) के विशेषज्ञ ने कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

मेडी-हब, टीबीआई (प्रौद्योगिकी, बिजनेस इनक्यूबेटर) के तहत व्यावसायिक विकास के लिए भावी स्टार्ट-अप को जोड़ा जाएगा, जिसे राष्ट्रीय कृषि नवाचार निधि (एनएआईएफ) के तहत आईसीएआर से वित्त पोषण सहायता के साथ अधिकृत किया गया।

अंत में, डॉ. बी.बी. बासाक, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय (आईसीएआर डीएमएपीआर) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

(स्रोत कृषि ज्ञान :प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात।)